नवरात्रि एवं विजयादशमी (20 अक्टूबर) की अनंत शुभकामनाएं...

यत्र नारी पूज्यंते
तत्र रमंते देवता:

दिव्य आकाश

॥ शुभ नवरात्रि ॥

कोरबा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सुविचार
एक आदर्श जीवन के लिए
मस्तिष्क में सत्यता और
हृदय में पवित्रता जरूरी है।

वर्ष - 17, अंक - 28 | कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 16 से 22 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ - 8, मूल्य-रू. 3:00/-

दीपके पहले हिरासत में, सुबह गिरफ्तार, शाम को जमानत

एसआईआर के खिलाफ कांग्रेस की 1 नवंबर को रामलीला ग्राउंड में रैली, पुलिस से इजाजत मिली

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके को शनिवार को जमानत मिल गई। उन्हें 50 हजार रुपए का बेड बॉन्ड भी भरना पड़ा। दीपके को दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार देर रात गिरफ्तार किया था। उन्हें शुक्रवार को कनॉट प्लेस में 'लहरा दो तिरंगा' रैली से पहले हिरासत में लिया गया था। 8 दिन में दीपके के खिलाफ यह दूसरी बार कार्रवाई है। इससे पहले 10 अक्टूबर को उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट पर विमान से हिरासत में लिया गया था। अगले दिन वे रिहा हो गए थे।

उधर एसआईआर के विरोध में कांग्रेस की रामलीला मैदान में 1 नवंबर को रैली होगी। कांग्रेस ने दिल्ली पुलिस से पहले ही इसकी इजाजत ले ली है।

ट्रम्प ने भारत पर 100% टैरिफ लगाने वाला कानून रोका

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने रूस पर सख्त प्रतिबंध लगाने वाले कानून को फिलहाल रोक दिया है। ट्रम्प ने शुक्रवार को इस फैसले से जुड़े आदेश पर हस्ताक्षर किए और कहा कि यह कदम अमेरिका के हित में है।

इस कानून के तहत रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर 100% तक टैरिफ लगाया जा सकता था। इन देशों में चीन, भारत, स्लोवाकिया समेत हंगरी और अजरबैजान शामिल थे।

प्रतिबंध से जुड़े कानून का मकसद रूस की कमाई के रास्ते बंद करना था, ताकि यूक्रेन के खिलाफ जारी युद्ध के लिए उसे पैसा जुटाने में मुश्किल हो। खास बात ये है कि ट्रम्प ने 9 अक्टूबर को ही रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ डीजल खरीदने की डील की थी।

नवाज शरीफ की तरह पाकिस्तान छोड़ सकते हैं इमरान खान

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान में जेल में बंद पूर्व पीएम इमरान खान भी पूर्व प्रधानमंत्रियों की तरह देश छोड़ सकते हैं। विपक्षी नेता महमूद खान अचकजई ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह दावा किया।

अचकचई ने कहा-

सरकार इमरान पर समझौते के लिए दबाव बना रही है। वे नवाज शरीफ और बेनजीर भुट्टो की तरह देश छोड़कर जा सकते हैं।

73 साल के इमरान खान अगस्त 2023 से जेल में हैं। उन्हें 5 अगस्त 2023 को तोशाखाना मामले में 3 साल की सजा सुनाए जाने के बाद गिरफ्तार किया गया था। उन पर सिफर, अल-कादिर ट्रस्ट और इद्दत निकाह समेत करीब 200 मामले दर्ज हैं।

बांग्लादेश के रिजॉर्ट में आग 10 की मौत

इनमें 6 लोग एक ही परिवार के, बिना फायर सेफ्टी लाइसेंस के रिजॉर्ट चल रहा था

ढाका (एजेंसी)।

बांग्लादेश के कॉक्स बाजार जिले में शनिवार सुबह समुद्र किनारे बने एक रिजॉर्ट में आग लगने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में एक ही परिवार के 6 सदस्य शामिल हैं।

आग सुबह करीब 7:25 बजे टुपटुप रेस्टो एंड रिजॉर्ट में लगी। तीन मंजिला लकड़ी की इमारत आग में पूरी तरह जलकर खाक हो गई। हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं।

रिजॉर्ट के पास आग से बचाव के इंतजामों की मंजूरी नहीं थी। जून में चेकिंग के दौरान अधिकारियों ने इसे लेकर चेतावनी भी दी थी।

शार्ट सर्किट की वजह से आग लगने की आशंका

बांग्लादेश के अखबार प्रोथोम आलो ने अधिकारियों के हवाले से बताया है कि बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट से आग लगी थी। इसके बाद यह आग एयर कंडीशनर में लगी।

गैस सिलेंडर में विस्फोट के बाद आग तेजी से पूरी इमारत में फैल गई। हालांकि, जांच पूरी होने के बाद ही आग लगने की असली वजह का पता चल सकेगा।

पाकिस्तान में भूख से बेहाल लाखों लोग, दुनिया के 10 सबसे बड़े खाद्य संकट वाले देशों में शामिल

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

पाकिस्तान में महंगाई, गरीबी और जलवायु संबंधी आपदाओं के कारण खाद्य संकट गंभीर बना हुआ है। अंतरराष्ट्रीय मानवीय सहायता संगठन एक्शन अगेंस्ट हंगर की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान दुनिया के उन 10 देशों में शामिल है, जहां भूख और खाद्य असुरक्षा की समस्या सबसे ज्यादा केंद्रित है।

'डॉन' की रिपोर्ट के मुताबिक, विश्व खाद्य दिवस से पहले जारी 'टेन लार्जेस्ट ग्लोबल फूड क्राइसिस' रिपोर्ट में पाकिस्तान की स्थिति पर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2026 में देश के लगभग 1.06 करोड़ लोगों को मानवीय सहायता की जरूरत पड़ सकती है। यह स्थिति ऐसे समय में है, जब पाकिस्तान आर्थिक सुधार की कोशिशों में जुटा है और कुछ आर्थिक संकेतकों में सुधार के दावे किए जा रहे हैं। हालांकि, इसका लाभ समाज के कमजोर वर्गों तक पर्याप्त रूप से नहीं पहुंच पा रहा है।

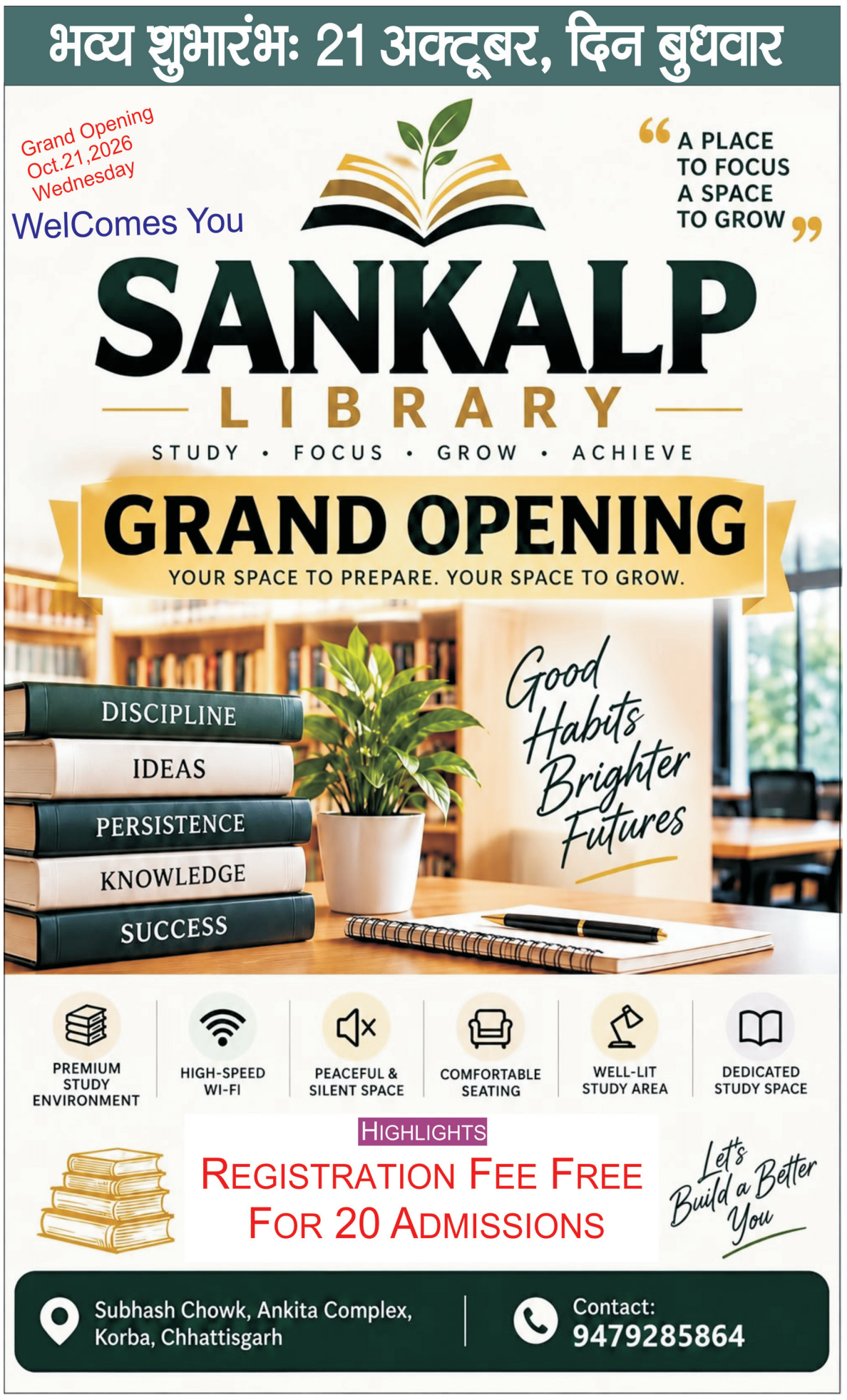
दुनिया के 10 सबसे बड़े खाद्य संकट वाले देश

रिपोर्ट में उन 10 देशों की सूची दी गई है, जहां खाद्य संकट सबसे ज्यादा गंभीर है। इनमें एशिया, अफ्रीका और पश्चिम एशिया के देश शामिल हैं।

1. नाइजीरिया
2. कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य
3. सूडान
4. यमन
5. अफगानिस्तान
6. म्यांमार
7. बांग्लादेश
8. पाकिस्तान
9. दक्षिण सूडान
10. सीरिया

रिपोर्ट के मुताबिक, इन 10 देशों में करीब 17.7 करोड़ लोग रहते हैं। पिछले एक दशक में गंभीर भूख से प्रभावित लोगों की संख्या दोगुनी हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के 47 देशों में लगभग 26.6 करोड़ लोग गंभीर भूख का सामना कर रहे हैं। इनमें ऐसे लोग भी शामिल हैं, जिन्हें पर्याप्त भोजन और जरूरी पोषण उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। खाद्य संकट का सबसे ज्यादा असर कम आय वाले परिवारों पर पड़ रहा है। खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों और घटती आमदनी के कारण उनके लिए रोजमर्रा की जरूरतें पूरी करना मुश्किल हो रहा है। मानवीय सहायता में कमी से हालात और चुनौतीपूर्ण बन रहे हैं। पाकिस्तान में खाने-पीने की वस्तुओं की ऊंची कीमतें, बेरोजगारी और परिवारों की घटती क्रय शक्ति खाद्य संकट को बढ़ा रही हैं। आर्थिक अस्थिरता के कारण कई परिवार जरूरी सामान खरीदने में भी कठिनाई महसूस कर रहे हैं।

कृषि उत्पादों की प्रतिकूल कीमतों का असर किसानों और उनसे जुड़े लोगों की आजीविका पर भी पड़ रहा है। कम आय वाले परिवारों के लिए भोजन, स्वास्थ्य और शिक्षा पर होने वाले खर्च के बीच संतुलन बनाना लगातार कठिन होता जा रहा है। रिपोर्ट में बताया गया है कि मानवीय सहायता के लिए उपलब्ध धनराशि बढ़ती जरूरतों के मुकाबले पर्याप्त नहीं है। ऐसे में कुछ परिवार खर्च चलाने के लिए भोजन कम कर रहे हैं और अपनी आजीविका से जुड़ी संपत्तियां बेचने को मजबूर हो रहे हैं। आर्थिक दबाव के कारण कुछ परिवार बच्चों को स्कूल से निकालने जैसे कदम भी उठा रहे हैं, ताकि घर का खर्च चलाया जा सके। इससे बच्चों के पोषण, शिक्षा और भविष्य पर लंबे समय तक असर पड़ने का खतरा है।



धार्मिक कार्यक्रम में चोटिल हुए डिप्टी सीएम अरुण साव:सिम्स में इलाज के बाद पैर में बांधा गया कच्चा प्लास्टर, निर्धारित कार्यक्रम निरस्त किए गए

बिलासपुर (एजेंसी)।

छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम अरुण साव धार्मिक कार्यक्रम के दौरान चोटिल हो गए। चोट लगने के बाद उन्हें बिलासपुर के सिम्स अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उनके पैर की जांच कर प्राथमिक इलाज किया और कच्चा प्लास्टर बांधा।

जानकारी के मुताबिक, लोरमी में धार्मिक कार्यक्रम के दौरान अरुण साव को पैर में चोट लगी। इसके बाद उन्हें इलाज के लिए बिलासपुर स्थित सिम्स अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने परीक्षण के बाद उनके पैर में कच्चा प्लास्टर बांधा।

निर्धारित कार्यक्रम निरस्त

चोट लगने के बाद डिप्टी सीएम अरुण साव के सभी निर्धारित कार्यक्रम निरस्त कर दिए गए हैं। उनकी चोट की गंभीरता और आगे के इलाज को लेकर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। हालांकि, उनके स्टाफ ने इसकी अधिकारिक जानकारी नहीं दी है, उनका कहना है कि यह रूटीन चेकअप था।

सोने की कीमतों में आएगा बड़ा उछाल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वेडिंग और फेस्टिव सीजन के बीच सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। साल 2026 की शुरुआत में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने के बाद सोने के भाव में बड़ी गिरावट देखने को मिली। अब निवेशकों की नजर इस बात पर है कि क्या आने वाले 12 से 24 महीनों में सोना फिर नया रिकॉर्ड बनाएगा। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने की कोशिशों से लंबी अवधि में सोने की कीमतों को समर्थन मिल सकता है। हालांकि, निकट भविष्य में कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रहने की संभावना है।

सोने की कीमतों में तेजी के 5 बड़ी वजहें?

केंद्रीय बैंकों की बढ़ती खरीदारी- दुनिया के कई केंद्रीय बैंक अपने विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग को समर्थन मिल सकता है।

अमेरिका पर बढ़ता सरकारी कर्ज- अमेरिका समेत कई देशों में सरकारी कर्ज और महंगाई को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। ऐसे माहौल में निवेशक अपनी पूंजी सुरक्षित रखने के लिए सोने की ओर रुख कर सकते हैं।

डॉलर और भू-राजनीतिक तनाव- अंतरराष्ट्रीय तनाव और डॉलर पर निर्भरता कम करने की कोशिशों के बीच सोने की मांग बढ़ सकती है। हालांकि, डॉलर की मजबूती सोने की कीमतों पर दबाव भी डाल सकती है।

ब्याज दरों में कटौती की संभावना- अगर अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती करता है, तो सोने में निवेश आकर्षक हो सकता है। इसके विपरीत, ऊंची ब्याज दरें सोने की कीमतों के लिए चुनौती बन सकती हैं।

शेयर बाजार में अस्थिरता- शेयर बाजार में गिरावट और अनिश्चितता के दौरान कुछ निवेशक गोल्ड ईटीएफ और भौतिक सोने जैसे विकल्पों में निवेश बढ़ाते हैं।

पारंपरिक वस्तुओं से सजा बालकोनगर का दुर्गा पूजा पंडाल, अतीत की यादों को करेगा जीवंत



बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

नवरात्रि के पावन अवसर पर बालकोनगर के सेक्टर-3 स्थित दुर्गा पंडाल में मां आदिशक्ति की प्रतिमा की स्थापना हर्षोल्लास और भव्यता के साथ की गई। पूजा का शुभारंभ बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश सिंह ने किया। इस अवसर पर उन्होंने बालको परिवार के सदस्यों के साथ मां दुर्गा की आराधना कर कंपनी और क्षेत्र की निरंतर प्रगति एवं समृद्धि की कामना की।

56 वर्षों से आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक रहा बालकोनगर का सार्वजनिक दुर्गा पूजा उत्सव एक बार फिर श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बना है। बालको सार्वजनिक दुर्गा पूजा समिति द्वारा 16 से 19 अक्टूबर तक आयोजित इस चार दिवसीय उत्सव में मां दुर्गा की आराधना के साथ इस वर्ष विशेष थीम के माध्यम से देश के अतीत और पारंपरिक जीवनशैली को दर्शाने का प्रयास किया गया है।

इस वर्ष पंडाल की थीम देश के उस दौर की याद दिलाती है, जब लोगों का जीवन सीमित संसाधनों और अनेक कठिनाइयों के बीच आगे बढ़ रहा था। पंडाल की आंतरिक सजावट में सूप, टोकरी, हाथ के पंखे, गमछे, बोरे और दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली अन्य पारंपरिक वस्तुओं को शामिल किया गया है। इन वस्तुओं के माध्यम से उस समय की सादगी, जीवनशैली और संघर्ष को दर्शाया गया है। यह थीम नई पीढ़ी को अतीत से जोड़ने के साथ हमारी परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत को करीब से जानने का अवसर प्रदान करती है।

फोटो प्रदर्शनीयः बालको की खुबसूरती, प्रकृति के विविध रूपों का प्रदर्शन

दुर्गा पूजा उत्सव के अवसर पर बालको द्वारा पंडाल के समीप चार दिवसीय फोटोग्राफी प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया है। इसमें बालको परिवार के सदस्यों द्वारा खींचे गए 280 से अधिक उत्कृष्ट छायाचित्र प्रदर्शित किए गए हैं। इन तस्वीरों में बालकोनगर की खूबसूरती, प्रकृति के विविध रूपों, बादलों, बारिश, धरती और जीवन के विभिन्न रंगों को कैमरे के माध्यम से खूबसूरती से प्रस्तुत किया गया है। प्रत्येक तस्वीर प्रकृति और आसपास की दुनिया को देखने का एक अलग दृष्टिकोण सामने लाती है।

बालकोनगर की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका यह उत्सव हर वर्ष बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं को आकर्षित करता है। बालकोनगर और आसपास के क्षेत्रों से लोग मां दुर्गा के दर्शन करने और पंडाल की आकर्षक सजावट देखने पहुंचते हैं। यह आयोजन आस्था के साथ सामुदायिक एकता, आपसी सद्भाव और सांस्कृतिक जुड़ाव को भी मजबूत करता है।

यह प्रदर्शनी बालको परिवार के सदस्यों को अपनी रचनात्मकता और फोटोग्राफी प्रतिभा साझा करने का मंच प्रदान करती है। साथ ही, यह बालकोनगर की प्राकृतिक सुंदरता और कंपनी से जुड़े लोगों की रचनात्मक सोच को सामने लाने का अवसर भी है। दुर्गा पूजा उत्सव और फोटोग्राफी प्रदर्शनी का यह आयोजन बालकोनगर में आस्था, परंपरा, कला और सामुदायिक सहभागिता का अनूठा संगम प्रस्तुत कर रहा है।

|| श्री गणेशम्किाभ्याम नमः || श्री धनवन्तरयै नमः ||

आयुर्वेदिक चिकित्सा परामर्श केन्द्र



Dr. Yugesh Sharma
M.D. (N.M.) Regn. 51049/16

सभी कंपनियों के आयुर्वेदिक दवाईयों के थोक एवं चिल्हर विक्रेता

इन बीमारियों का ईलाज
गाठिया, जोड़ों का दर्द, साईटिका, श्वास, दमा, खांसी पुराना नजला, गैस, खाज, खुजली, शुगर, बवासीर, पथरी, लिकोरियो आदि।

शराब छुड़ाने की हर्बल दवा

एक कदम आयुर्वेद की ओर ... स्वस्थ रहो अभियान...

शिव हर्बल मेडिकल स्टोर
शॉप नं. 07 अल्का काम्प्लेक्स, टी.पी. नगर, कोरबा (छ.ग.) मो.: 9302358945

हनुमान अंश के मुख्य किरदार शोभिनव सत्य ने कहा- माया के प्रकोप से सिर्फ भगवान का आशीर्वाद ही बचा सकता है

मीडिया से रूबरू हुए नीम करौली बाबा का किरदार निभाने वाले अभिनेता

कोरबा (दिव्य आकाश)।



कैंचीधाम नैनीताल उत्तराखण्ड के पीठाधीश्वर नीम करौली बाबा के जीवन पर आधारित फिल्म हनुमान अंश में नीम करौली बाबा का किरदार निभाने वाले अभिनेता शोभिनव सत्य शुक्रवार को जश्न-ए-रिसोर्ट के सभागार में पत्रकारवार्ता ली और कहा कि हनुमान अंश का मुख्य उद्देश्य देश-दुनिया में नीम करौली बाबा के जीवन की प्रेरणा-सभी से प्रेम, सबकी सेवा, भूखों को भोजन कराना, सुमार्ग पर चलें, भक्ति करें का संदेश देना है। उन्होंने एक प्रश्न के जवाब में कहा कि माया के प्रकोप से सिर्फ भगवान का आशीर्वाद ही बचा सकता है। प्रेसवार्ता में शोभिनव सत्य के साथ महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत, जिला भाजपा अध्यक्ष गोपाल मोदी, आयुक्त आशुतोष पाण्डेय, सभापति नूतन सिंह ठाकुर, पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ. राजीव सिंह, चंद्रमासिंह राजपूत, नरेंद्र देवांगन, घंटाघर में आयोजित रामलीला की प्रबंधक तनुप्रिया उपस्थित थे। पत्रकारवार्ता में मंच संचालन अधीक्षण अभियंता अखिलेश शुक्ला ने की। यहां उपायुक्त पवन वर्मा सहित भाजपा के नेतागण भी उपस्थित थे।

शोभिनव ने आगे कहा- वैसे तो मैं पहले से हनुमान भक्त और सात्विक जीवन जीने वाला आम आदमी हूं। 2018 से मैं हनुमान की उपासना करते आ रहा हूं और हनुमान जी का आशीर्वाद ही है कि मुझे नीम करौली बाबा का किरदार निभाने का मौका मिला। हनुमान अंश के डायरेक्टर डॉ. विशाल चतुर्वेदी ने नीम करौली बाबा के लिए किरदार की खोज की, जिसमें मैं शतप्रतिशत खरा उतर सका और हनुमान जी का यह आशीर्वाद ही था कि मुझे 2018 से ही इस रोल के लिए हनुमान जी तैयार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हनुमान चालीसा में अनंत शक्ति है और सभी समस्या का समाधान भी।

2025 से शुटिंग प्रारंभ हुई, जिसमें कई बार आर्थिक समस्या भी आई

02 करोड़ की बजट वाली मूवी हनुमान अंश की शुटिंग 2025 में प्रारंभ हुई और 2026 में रिलिज हुई। उन्होंने अपना अनुभव साझा किया और कहा कि शुटिंग के दौरान कई बार डायरेक्टर एवं प्रोड्यूसर (अनुप्रिया नागर) को आर्थिक समस्याओं का सामना करना पड़ा लेकिन हनुमान जी साथ थे, इस तरह की और कई समस्याएं आती थीं, तब डायरेक्टर टीम को हनुमान चालीसा का पाठ करने को कहते थे। हम 20-25 मिनट तक हनुमान चालीसा पढ़ते, तब तक समस्या दूर हो जाए रहती थी। हनुमान चालीसा का पाठ एक चमत्कार है।

हमारे पास प्रमोशन के लिए पैसे नहीं थे

आज किसी भी फिल्म का हिट होने के लिए प्रमोशन भी हिट होना चाहिए, लेकिन हनुमान अंश के प्रमोशन के लिए डायरेक्टर-प्रोड्यूसर के पास पैसे नहीं थे और हमने फिल्म रिलिज कर दी। तीन-चार दिन तक फिल्म को ज्यादा रिस्पांस नहीं मिला, लेकिन यह हनुमान जी और नीम करौली बाबा का चमत्कार ही कहें कि तीन-चार दिन के बाद हनुमान अंश बच्चों-बच्चों के जुबान पर पहुंचा और बाक्स आफिस पर फिल्म ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने कि फिल्म जब तीन-चार दिन नहीं चली, लेकिन हमें पूरा विश्वास था कि हनुमान अंश घर-घर की कहानी, कीर्तन, भजन के रूप में हर घर में पहुंचेगा।

हनुमान अंश के बाद जो भी फिल्म करूं, लेकिन मर्यादा में रहकर

शोभिनव सत्य ने कहा कि हनुमान अंश में नीम करौली बाबा का किरदार मेरे रोम-रोम में बस चुका है। मैंने बचपन से लेकर अब तक कभी किसी को अपशब्द नहीं बोले, सबके साथ प्रेम व्यवहार मेरे जीवन का हिस्सा रहा और इस किरदार ने तो मेरी मर्यादा बांध दी, जिसे कभी भी कोई भी फिल्म रोल मिले, मर्यादा के बंधन को सदैव स्मरण में रखूंगा।

एक प्रश्न के जवाब में कहा-फिल्में समाज की आईना होती हैं और फिल्म देखकर युवा उसी ओर आकर्षित होते हैं। हमारी फिल्म का उद्देश्य सभी को एक-दूसरे से प्रेम करना सिखाना, सबकी सेवा करना, जिसमें जानवर भी शामिल हैं, भूखों को भोजन कराना, सेवा भाव से किसी का कष्ट और परेशानी को कम करना या दूर करना, जो संतों का भी संदेश होता है।

शिवाय हॉस्पिटल
नया बस स्टैंड ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा (छ.ग.)

हमारे विशेषज्ञ डॉक्टर



हमारी अत्याधुनिक सुविधाएं
2D ECHO हृदय की जाँच
NCV TEST नसों की जाँच
कलर डॉपलर सोनोग्राफी
उच्च स्तरीय NICU, PICU सुविधा
आधुनिक पैथोलॉजी लैब
डिजिटल X-RAY
TMT मशीन
CPAP मशीन

- सिर की चोट, लकवा, साइटिका का सर्जरी
- दूरबीन से किडनी स्टोन की सर्जरी
- फ्रैक्चर, जोड़, लिगामेंट सर्जरी
- दूरबीन से हर्निया, पथरी व लिवर सर्जरी
- डिलीवरी, बच्चेदानी का ऑपरेशन
- गोल्डन आवर इमरजेंसी केयर

- आयुष्मान, सीएसईबी ,ईएसआईसी सीएपीएफ एवम अन्य बीमा कंपनी से उपचार
- डायलिसिस एवम कैंटीन की सुविधा
- 24X7 सुविधाएं उपलब्ध

सम्पर्क करें :- 9458999333,9458999444
एम्बुलेंस के लिए संपर्क करें +91 9109190140
नया बस स्टैंड ट्रांसपोर्ट नगर कोरबा (छ.ग.)

नवरात्रि एवं विजयादशमी (20 अक्टूबर) की अनंत शुभकामनाएं...

यत्र नारी पूज्यंते
तत्र रमंते देवता:

दिव्य आकाश

॥ शुभ नवरात्रि ॥

कोरबा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रथम बहुरंगी साप्ताहिक अखबार

सुविचार
एक आदर्श जीवन के लिए
मस्तिष्क में सत्यता और
हृदय में पवित्रता जरूरी है।

कोरबा, शुक्रवार, दिनांक 16 से 22 अक्टूबर 2026

नैनं छिन्दन्ति शस्त्राणि नैनं दहति पावकः। न चैनं क्लेदयन्त्यापो न शोषयति मारुतः।।

षष्ठम् पुण्यतिथि



अवतरण
20 अप्रैल 1985

निर्वाण
18 अक्टूबर 2020

स्व. श्री नितेश कुमार अग्रवाल (मोनू)

अपितु आज आपका नश्वर शरीर हमारे बीच नहीं है, लेकिन आपकी दिव्य आत्मा
सदैव हमारे दिलों में राज करती रहेगी। आपकी मुस्कान हमें सदैव समाज सेवा के लिए
प्रेरित करती रहेगी और पीड़ित मानवता के जीवन में आशा जगाने आपकी ललक
हमेशा हमारे हाथों जीवंत होती रहेगी।

आपका मृदुल व्यवहार, अनुशासित दिनचर्या, आदर्श जीवन शैली, कर्मठता, दृढ़ निष्ठा और
किसी को भी अपना बना लेने का आकर्षक व्यक्तित्व सदैव हमें प्रेरणा देता रहेगा।

6 वर्ष पूर्व 18 अक्टूबर 2020 को आप सदा के लिए अनंत यात्रा पर चले गए,
लेकिन आप हमारे मानस पटल पर चीर स्मरणीय बने रहेंगे।

षष्ठम् पुण्यतिथि पर अश्रुपूरित श्रद्धांजलि...

बहूनि में व्यतीतानि जन्मानि तव चार्जुन। तान्यहं वेद सर्वाणि न त्वं वेत्थ परंतप !

ॐ शांति

शोक संतप्त परिवार

ॐ शांति

राजबीर प्रसाद- श्रीमती गायत्री देवी अग्रवाल (ताऊ-ताई)

राजकुमार- श्रीमती प्रेमलता अग्रवाल (पापा-मम्मी), भगवान दास- श्रीमती मंजू अग्रवाल (चाचा-चाची)

दिनेश, विकास, पंकज, आशीष, रवि, विपुल, सारांश, समर्थ, तनिष्क, लक्ष्य, गौरव, अर्जुन एवं समस्त अग्रवाल परिवार

फर्म :

सर्वमंगला कंस्ट्रक्शन कम्पनी प्रा.लि. कोरबा, सारांश गैस सर्विसेस कोरबा
आद्या फ्युल्स एवं छत्तीसगढ़ फूड प्रोडक्ट्स राईस मिल, लखनपुर रोड सुतर्री (कोरबा)
नितेश कुमार मेमोरियल लायंस पब्लिक स्कूल खरहरकुड़ा (मड़वारानी) मो.: 9826670261
सर्वमंगला मल्टी इन्फ्रा प्रा.लि.,
मे. आर.बी. ट्रेडर्स, मे. छत्तीसगढ़ सेल्स कॉर्पोरेशन कोरबा (छ.ग.)

प्रेरणा : नितेश कहा करते थे - सपना देखो, लक्ष्य तय करो और काम को जुनून बना लो... परिश्रम को हम सफर... सफलता तय है...।

युवाओं के लिए हो रोजगार सृजन...

युवाओं के लिए रोजगार सृजन समय की सबसे बड़ी जरूरत है। भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। यहाँ 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम उम्र की है। यह युवा शक्ति हमारे देश की सबसे बड़ी पूँजी है, लेकिन यही पूँजी अगर बेरोजगार रहे तो सबसे बड़ी चुनौती भी बन जाती है। आज हर युवा के मन में एक ही सवाल है - पढ़ाई के बाद रोजगार कहाँ है? समस्या कहाँ है?

समस्या सिर्फ नौकरी की कमी नहीं, बल्कि कौशल की कमी भी है। अक्सर डिग्री तो मिल जाती है, पर उद्योगों को जिस स्किल की जरूरत है, वह युवाओं में नहीं होती। दूसरा बड़ा कारण है - हम सब सिर्फ सरकारी नौकरी के पीछे भागते हैं, जबकि अवसरों का बड़ा सागर निजी क्षेत्र, स्टार्टअप और स्वरोजगार में है। कौशल विकास- डिग्री के साथ स्किल जरूरी है। आईटीआई, पॉलिटेक्निक, डिजिटल मार्केटिंग, कोडिंग, इलेक्ट्रिशियन, प्लंबर, ब्यूटीशियन जैसे व्यावसायिक कोर्स रोजगार का सीधा रास्ता हैं। प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना इसी दिशा में बड़ा कदम है। स्वरोजगार और स्टार्टअप- नौकरी माँगने वाले नहीं, नौकरी देने वाले बनो। केंद्र सरकार की Mudra Yojana, Startup India, Stand-Up India योजनाओं से युवा अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए बिना गारंटी के लोन ले सकते हैं। शहरों में कोचिंग, लाइब्रेरी, कैफे, सर्विस सेंटर जैसे छोटे व्यवसाय भी अच्छी कमाई दे सकते हैं। कृषि और स्थानीय उद्योग में अवसर- छत्तीसगढ़ कृषि प्रधान राज्य है। आधुनिक खेती, जैविक खेती, मशरूम उत्पादन, मछली पालन में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं। उद्योगों में अप्रेंटिसशिप और तकनीकी प्रशिक्षण लेकर भी रोजगार पाया जा सकता है। डिजिटल इकोनॉमी- आज एक मोबाइल और इंटरनेट से भी रोजगार संभव है। फ्रीलांसिंग, कंटेंट राइटिंग, यूट्यूब, ग्राफिक डिजाइनिंग, ऑनलाइन ट्यूशन - ये सब घर बैठे आय के साधन हैं। सरकारी प्रयास और निजी भागीदारी- सरकार को चाहिए कि वह जिला स्तर पर रोजगार मेला, करियर काउंसलिंग और उद्योगों के साथ मिलकर प्लेसमेंट कैंप नियमित रूप से लगाए। रोजगार सृजन सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं, यह समाज, परिवार और युवाओं की साझा सोच का परिणाम है। युवाओं को अपनी सोच बदलनी होगी - 'मुझे नौकरी चाहिए' से 'मैं कुछ नया कर सकता हूँ' तक। जब युवा स्किल्ड होगा, आत्मनिर्भर होगा, तभी वह देश को भी उन्नति की राह पर ले जाएगा। भारत आज जिस लक्ष्य को लेकर चल रहा है, उसमें युवाओं की भागीदारी बेहद जरूरी है। 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के लिए हम सभी को एक साथ कदम मिलाकर भारत को आगे बढ़ाना है। युवाओं को सृजनशील होना पड़ेगा, तभी हम यह लक्ष्य तय कर पाएंगे।



एक रुपये ना बाबा ना...!

एक रुपया क्रेडिट हुआ, मोबाइल ने संदेश सुनाया,
प्रसन्न मन झूम उठा, किस्मत ने जैसे हाथ बढ़ाया।
सोचा, बैंक है मेहरबान, एक रुपये का दिया इनाम,
मगर पीछे छिपा था, साइबर ठगों का नया पैगाम!

एक रुपया आया खाते में, 'लालच' छाया बातों में,
लिंक खुला एवं खेल हुआ, खाली खाता रातों-रात!
ठग बोले, 'बस लिंक दबाओ, सारी खबर बताओ',
कहाँ कमाते-कितने खाते, बैंक का राज समझाओ!

बैंक न माँगे गोपनीय, न लिंक से खुलती जिम्मेदारी,
ओटीपी कभी न देना, अंजान लिंक क्लिक न करें।
1 रु.का लालच छोड़ो, साइबर ठगों से नाता तोड़ो,
धन अर्जन में उम्र लगती, लुटते पल में ध्यान जोड़ो!

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)

तैंतीस साल और नारों की गूँज...!



33 वर्षों की लंबी यात्रा, फिर वही सवाल, वही लाचारी,
जंतर-मंतर की धरती पूछे, कब पूरी होगी आस हमारी?
कभी यहाँ नारों की गूँज थी, कभी इंकलाब का स्वर था,
अन्यायों से लड़ने वालों के हाथों में उम्मीदों का घर था।

समय बदला, सरकारें बदलीं,
बदलते सत्ता के गलियारे,
लेकिन जनता के प्रश्न आज भी
खड़े हुए हैं लिए सहारे।
ये केवल धरना-स्थल नहीं, यह
जन-जन की आवाज़ है,
लोकतंत्र की असली ताकत तो,
जनता का 'विश्वास' है।

जब न्याय कहीं रुक जाता है,
सुनवाई भी थम जाती है,
तब 'सड़कों' पर उतरती जनता
'अपनी बात' बताती है।
लेकिन इतना याद रहे सभी को,
आंदोलन का मान रहे,
संवादों से हल निकले हरदम,
संविधान का सम्मान रहे।

तैंतीस साल का अर्थ यही है,
सवाल अभी-भी ज़िंदा हैं,
जनता के अधिकारों के सपने आज भी कितने शेष हैं।
जंतर-मंतर की मिट्टी कहती, ना समझो आवाज़ पुरानी,
जब तक न्याय नहीं मिलता, जारी रहेगी संघर्ष कहानी।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)

विजयोत्सव (दशहरा): 20 अक्टूबर 2026

राम जैसा चरित्र हो, तो जीवन स्वयं एक मंदिर बन जाता है



एआई जनरेटेड



चरित्र निर्माण का संग्रहालय है राम का आदर्श

आज जरूरत है कि हम अपने बच्चों को सिर्फ मार्कशीट नहीं, राम का आदर्श भी पढ़ाएं। क्योंकि डिग्री से नौकरी मिल सकती है, पर सम्मान केवल चरित्र से मिलता है और चरित्र निर्माण का सबसे पवित्र संग्रहालय है - राम का आदर्श।



डॉ गजेन्द्र तिवारी
शिक्षाविद
पाली जिला कोरबा
मो.: 94241-50282

मनुष्य को मानव जीवन कई योनी बितने के बाद मिलता है और मानव जीवन प्रकृति की सबसे बड़ी सौगात है। मानव जीवन सिर्फ खुशियों का नाम नहीं है, बल्कि जीवन संघर्षों से खरा सोना सा बनता है। मानव जीवन में सुख और दुख सिक्के के दो पहलू हैं। दुख हमें धैर्य सिखाता है और आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। सुख हमें जीवन में आनंद का अनुभव कराता है और संदेश देता है कि सुख का पल ईश्वर की याद और सेवा का होना चाहिए। राम का जीवन चरित्र आज के युग में ज्यादा सार्थक है, जब हम इतने व्यस्त हो गए हैं कि नई पीढ़ी के रग-रग में स्वार्थ बसता जा रहा है। नई पीढ़ी को सजग होना होगा कि उसके लिए परिवार भी मायने रखता है। राम ने अपने चरित्र से देश दुनिया को संदेश दिया कि जीवन उसी का सार्थक है, जो परिवार के लिए, समाज के लिए और राष्ट्र के लिए कुछ कर जाए।
राम सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक चिंतन हैं, एक विचार हैं, चरित्र निर्माण का पूरा संग्रहालय हैं। रामायण के एक-एक पन्ने में जीवन चरित्र का प्रकाशपूंज दिखाई देता है और इस प्रकाशपूंज से हम अपने जीवन को सार्थक कर सकते हैं।

राम कोई एक व्यक्ति नहीं, राम एक संग्रहालय हैं, एक चिंतन हैं, यूं कहें तो जीवन का सार हैं राम। राम के आदर्श: एक ऐसा संग्रहालय जहाँ चरित्र की हर कलाकृति सजी हुई है। जिसे देखना हो कि एक आदर्श मनुष्य कैसा होना चाहिए, वह राम के जीवन में देख ले। आज की दुनिया डिग्रियों को बहुत महत्व देती है, पर नौकरी से लेकर परिवार तक, सब जगह अंत में काम आपका चरित्र ही आता है और चरित्र की सबसे बड़ी पाठशाला है।

जीवन में त्याग-

जिस दिन राजतिलक होना था, उसी दिन वनवास का आदेश मिला। बिना एक प्रश्न किए, बिना पिता को दोष दिए, राम ने राजमहल छोड़ दिया। यह हमें सिखाता है कि कर्तव्य के सामने पद कितना छोटा है।

जीवन में मर्यादा -

राम ईश्वर होकर भी मर्यादा में रहे। उन्होंने कभी अपनी शक्ति का दुरुपयोग नहीं किया। कभी किसी का अपमान नहीं किया। केंवट हो या शबरी, सुग्रीव हो या विभीषण - सबसे समान व्यवहार। यही मर्यादा पुरुषोत्तम होना है। हमें भी भगवान श्रीराम के जीवन से मर्यादा का पाठ पढ़ना होगा, ताकि समाज में रामराज जैसा आदर्श स्थापित हो सके।

जीवन में धैर्य-

14 वर्ष का वनवास, सीता हरण जैसा वज्रपात, लक्ष्मण को शक्ति लगना - हर परिस्थिति में राम स्थिर रहे। उन्होंने कभी धीरज नहीं खोया। आज के युवा को राम से यही सीखना है कि समस्या कितनी भी बड़ी हो, विचलित नहीं होना है।

जीवन में करुणा -

जो शबरी के जूठे बेर खा ले, जो अहिल्या के चरणों से पत्थर को नारी बना दे, वह करुणा की पराकाष्ठा है। राम का आदर्श कहता है कि बड़ा वही है जो छोटे को गले लगाए।

जीवन में नेतृत्व-

राम ने सेना नहीं, परिवार बनाया। वानरों और भालुओं की सेना को अपने प्रेम से अपना बना लिया। एक आदर्श नेता वही है जो सबको साथ लेकर चले। इसलिए कहा जाता है - राम जैसा चरित्र हो, तो जीवन स्वयं एक मंदिर बन जाता है।



पर्दा गिर गया, नाना अमर हो गए...!

जिस आवाज़ में था सच का साहस,
जिस आँखों में था 'दर्द', देता राहत।
जिसके संवाद में जीवन बोलता था,
आज वो ही कलाकार मौन हो गया।

'परिंदा' में उसके संघर्ष की आग थी,
'तिरंगा' में जज़्बा-'प्रहार' स्वाभिमान।
'अग्निसाक्षी' संवेदनाओं की गहराई,
'क्रांतिवीर' की आवाज़ नाना महान।

'खामोशी' में मौन हुआ रूदन संगीत,
'अब तक छप्पन' में हैं कठोर चेहरा।
फिर 'वेलकम' में हँसाकर आ ठहरा,
अंदर इंसानियत की जीत का सेहरा।

जब 'नटसम्राट' बनके उभरकर आए,
सब को लगा रंगमंच स्वयं बोल पड़ा।
संवाद नहीं केवल शब्द, जीवन घुला,
किरदारों में सदा नाना रहता है खड़ा।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इन्दौर-452011 (मध्य प्रदेश)

ये कैसे शातिर, खाली गया तीर

संजय एम तराणेकर
कवि, लेखक, समीक्षक, व्यंग्यकार

व्यंग्य



अखबार की खबर पढ़कर मन में एक गंभीर सवाल उठता है-आखिर ये कैसे शातिर डकैत हैं, जो पेट्रोल पंप पर डकैती डालने की योजना बनाते-बनाते ही पुलिस के हत्थे चढ़ जाते हैं? डकैती की योजना इतनी गोपनीय थी, कि शायद उन्होंने उसका एजेंडा बनाकर बैठक में पढ़ा होगा- 'आज की मीटिंग का विषय: पेट्रोल पंप लूटने की तैयारी।' हमारे देश की पुलिस भी धन्य है। डकैती हुई नहीं, पेट्रोल पंप लुटा नहीं, कैश बॉक्स खुला नहीं और पुलिस ने पहले ही पाँच शातिरों को दबोच लिया। यानी पुलिस ने अपराध को होने से पहले ही पकड़ लिया। इसे कहते हैं-'अपराध रोकथाम का एडवांस वर्जन।'

शायद बदमाशों ने सोचा होगा कि पहले जगह का निरीक्षण कर लेते हैं। कौन-सा पेट्रोल पंप सुविधाजनक है, कितनी रकम मिल सकती है, भागने का रास्ता क्या होगा-इन सब पर गंभीर ही नहीं गहन चिंतन चल रहा होगा। तभी पुलिस ने उनकी चिंतन-सभा में अचानक प्रवेश कर दिया। अब बेचारे बदमाशों की हालत ऐसी होगी कि वे सोच रहे होंगे- 'डकैती डालने का तो मौका मिला नहीं, ऊपर से पुलिस ने हमारी मीटिंग भी रद्द कर दी! यह कोई ऐसी ही मीटिंग थोड़ी थी जिसकी परमिशन ली जाए'

सच! आजकल अपराध करना भी आसान नहीं रहा। पहले अपराधी योजना बनाते थे, फिर अपराध करते थे और पुलिस बाद में जांच करती थी। सब कुछ निपटने के बाद में ही पुलिस की एंट्री होती थी। फिर कुत्ते को कपड़ा वगैरह सुंघाने का काम डॉग एक्सपर्ट को सौंप दिया जाता था। फिर जिसके यहां चोरी या डकैती हुई है, वह डॉग एक्सपर्ट के कुत्तों को देखते ही बड़ा संतुष्ट हो जाता था, उसे आशा बंध जाती थी कि मेरी चोरी चली गई हुई चीज जरूर वापस मिलेंगी। अब व्यवस्था इतनी आधुनिक हो गई है कि अपराधी योजना बनाता है और पुलिस पहले ही उसका 'प्रोजेक्ट' बंद कर देती है।

लेकिन इस खबर का सबसे मजेदार पहलू यह है कि डकैतों की योजना पुलिस से ज्यादा उनके अपने लोगों को पता थी। आखिर सूचना पुलिस तक पहुँची कैसे? लगता है अपराधियों ने भी सोशल मीडिया की तर्ज पर अपनी योजना का प्रचार-प्रसार कर दिया होगा। पुलिस ने मौके पर पहुँचकर पूछा होगा- 'क्या चल रहा है?' बदमाश बोले होंगे- 'कुछ नहीं साहब, बस पेट्रोल पंप के बारे में चर्चा कर रहे थे।' पुलिस ने कहा होगा- 'अच्छा! तो हथियार, गाड़ी और लूट की योजना भी इसी चर्चा का हिस्सा है?'

बस फिर क्या था-'चर्चा' सीधे गिरफ्तारी में बदल गई। वैसे पुलिस के लिए यह खबर उपलब्धि है और बदमाशों के लिए सीख- डकैती डालने से पहले कम-से-कम अपनी योजना को 'गोपनीय' रखना सीखो! क्योंकि आज के दौर में अपराध करना जितना मुश्किल है, उससे कहीं ज्यादा मुश्किल है अपराध की योजना को पुलिस से बचाकर रखना और पेट्रोल पंप वालों के लिए तो यह खबर राहत की है-पंप पर पेट्रोल भले महंगा हो गया हो, लेकिन फिलहाल डकैतों का 'प्लान' जरूर सस्ता पड़ गया!

प्रधानमंत्री कृषि धन-धान्य योजना: छत्तीसगढ़ के अन्नदाताओं और सुशासन की बड़ी उपलब्धि

छत्तीसगढ़ ने कृषि विकास, किसान कल्याण और ग्रामीण समृद्धि के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री कृषि धन-धान्य योजना के उत्कृष्ट एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले को देशभर में 'सर्वश्रेष्ठ जिला' के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह उपलब्धि राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों, कृषि क्षेत्र में नवाचार, प्रभावी प्रशासनिक नेतृत्व और मैदानी स्तर पर योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन का महत्वपूर्ण परिणाम है।



नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दंतेवाड़ा जिले को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया। जिले की ओर से कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव और उप संचालक कृषि सूरज कुमार पंसारी ने संयुक्त रूप से पुरस्कार ग्रहण किया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर दंतेवाड़ा जिले के किसानों, जिला प्रशासन और कृषि विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह सम्मान छत्तीसगढ़ के मेहनतकश अन्नदाताओं के परिश्रम, शासन की किसान कल्याणकारी नीतियों और प्रशासनिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप कृषि को आधुनिक, लाभकारी और समृद्धि का आधार बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विशेष रूप से बस्तर जैसे आदिवासी बहुल अंचल में कृषि विकास की यह उपलब्धि पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री रामविचार नेताम ने दंतेवाड़ा जिले को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए किसानों एवं कृषि विभाग की पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादकता में वृद्धि, उन्नत कृषि तकनीकों के विस्तार और परंपरागत खेती को आधुनिक संसाधनों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। दंतेवाड़ा की यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि सुनियोजित प्रयासों, विभागीय समन्वय और किसानों की सक्रिय सहभागिता से वनांचल एवं आदिवासी क्षेत्रों में भी कृषि विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा सकते हैं।

प्रदेश में कृषि योजनाओं के प्रभावी संचालन, नियमित समीक्षा और विभागीय समन्वय को सुदृढ़ बनाने में कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी के कुशल प्रशासनिक नेतृत्व की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके मार्गदर्शन में कृषि विभाग द्वारा योजनाओं के परिणामोन्मुख क्रियान्वयन, नवाचारों को प्रोत्साहन तथा अंतिम छोर के किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। दंतेवाड़ा जिले की यह उपलब्धि राज्य स्तर पर प्रभावी प्रशासनिक मार्गदर्शन और जिला स्तर पर योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन का उदाहरण है।

दंतेवाड़ा पूरे देश में सर्वश्रेष्ठ जिला: सीएम ने दी बधाई

प्रधानमंत्री कृषि धन-धान्य योजना के अंतर्गत दंतेवाड़ा जिले में दूरस्थ वनांचल ग्रामों के लघु एवं सीमांत किसानों तक कृषि योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किए गए। जिले में पारंपरिक कृषि पद्धतियों के साथ आधुनिक तकनीकों का समन्वय, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, जैविक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन तथा कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य किया गया।

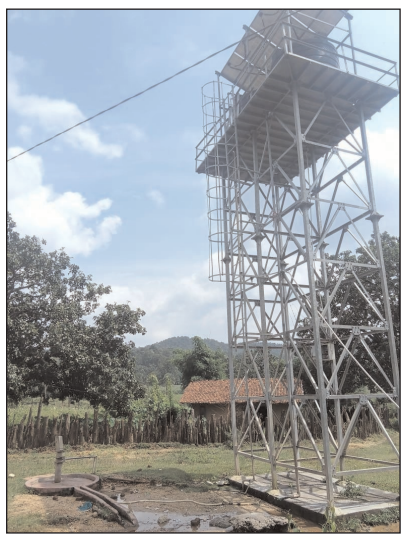
जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में कृषि, उद्यानिकी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित कर क्लस्टर आधारित गतिविधियों को बढ़ावा दिया गया। इसके साथ ही कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण और बाजार से जुड़ाव को प्रोत्साहित करने के प्रयासों ने किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त करने के बाद कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने इस उपलब्धि का श्रेय जिले के मेहनती किसानों, कृषि विभाग के मैदानी अमले और विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन आधुनिक कृषि तकनीकों, प्राकृतिक खेती और कृषकों की आजीविका संवर्धन के लिए निरंतर प्रतिबद्ध रहेगा।

दंतेवाड़ा जिले को मिला यह राष्ट्रीय सम्मान न केवल बस्तर अंचल, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। यह सफलता प्रदेश के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणादायी है तथा कृषि विकास, किसान सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के निर्माण की दिशा में छत्तीसगढ़ की बढ़ती प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

अबूझमाड़ के दुर्गम अंचल में सौर क्रांति

सोलर ड्यूल पंप से 371 गांवों तक पहुँच रहा स्वच्छ पेयजल



छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले के दुर्गम वनांचल एवं पथरीले अंचलों में, जहाँ कभी एक-एक मटका पानी के लिए ग्रामीणों को मीलों का कठिन सफर तय करना पड़ता था या झिरिया के दूषित पानी पर निर्भर रहना पड़ता था, वहाँ अब सौर ऊर्जा एक वरदान बनकर उभरी है। राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप जल जीवन मिशन और छत्तीसगढ़ अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) के साझा प्रयासों से संचालित सोलर ड्यूल पंप योजना ने अबूझमाड़ और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर पूरी तरह बदल दी है। इस दूरदर्शी पहल का मुख्य उद्देश्य जिले के दूरदराज वाले पारा-टोलों तक स्वच्छ पेयजल की नियमित पहुँच सुनिश्चित करना है, जिससे ग्रामीणों को झिरिया के दूषित जल से हमेशा के लिए मुक्ति मिल सके।

नारायणपुर जिले की भौगोलिक परिस्थितियाँ, कठिन वनांचल और बिखरी हुई बसाहटें पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा को हर घर तक पहुँचाने में हमेशा से बड़ी चुनौती रही हैं। ऐसे क्षेत्रों में पीने का साफ पानी सिर्फ एक सुविधा नहीं, बल्कि ग्रामीणों के स्वास्थ्य और जीवन स्तर से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील विषय है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए जिले के 371 ग्रामों एवं पारा-टोलों को स्वच्छ पेयजल से जोड़ने के लिए कुल 1,064 सोलर ड्यूल पंप स्थापित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। क्रेडा और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के निरंतर प्रयासों से अब तक 849 पंपों की सफल स्थापना पूरी की जा चुकी है, जिससे एक बड़े क्षेत्र में पेयजल संकट दूर हुआ है।

सोलर ड्यूल पंपों की सबसे बड़ी खासियत यह है कि ये पूरी तरह सौर ऊर्जा से संचालित होते हैं। बिजली की अनिश्चितता वाले या विद्युतविहीन दूरस्थ क्षेत्रों में भी यह प्रणाली बिना किसी रुकावट के चौबीसों घंटे पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करती है। जिले के नेलांगुर, पदमकोट, जाटलूर, उसेबेड़ा, हरबेल, कस्तुरमेंटा-2, धुरबेड़ा और गुमरका जैसे अत्यंत संवेदनशील व दुर्गम गाँवों में इन पंपों के शुरू होने से ग्रामीणों को अपने घर के पास ही शुद्ध पानी मिलने लगा है। इससे पानी जुटाने के लिए दूर जाने की मजबूरी खत्म हुई है, जिससे ग्रामीणों के दैनिक श्रम और समय दोनों की बड़ी बचत हो रही है।

पेयजल की सुलभता का सबसे सुखद और सीधा प्रभाव ग्रामीण महिलाओं और परिवारों की जीवनशैली पर पड़ा है। पहले जहाँ महिलाओं को पानी के लिए घंटों मशक्कत करनी पड़ती थी, वहीं अब वे उस समय का उपयोग अन्य आजीविका गतिविधियों और अपने बच्चों की देखभाल में कर पा रही हैं। इसके साथ ही, शुद्ध पेयजल की उपलब्धता से दूषित पानी के सेवन से होने वाली जलजनित बीमारियों पर प्रभावी रोक लगी है और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ी है। शेष बचे पंपों की स्थापना का कार्य भी तेजी से जारी है। नारायणपुर में सोलर ड्यूल पंपों का यह सफल प्रयोग न केवल दूरस्थ गांवों तक बुनियादी सुविधाएं पहुँचाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित हो रहा है, बल्कि यह छत्तीसगढ़ में ग्रीन एनर्जी के माध्यम से समावेशी और सतत ग्रामीण विकास की एक नई इबारत भी लिख रहा है।

जब 'निदान' के सहारे पहली बार अपने पैरों पर खड़ी हुई 9 साल की लावण्या



किसी बच्चे के लिए दौड़ना-भागना और साथियों संग खेलना एक सामान्य प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन नौ वर्षीय मासूम लावण्या के लिए यह एक ऐसा हसीन सपना था, जिसे उसका पूरा परिवार सालों से संजोए बैठा था। जन्मजात या बचपन की तकलीफों के कारण जो पैर लावण्या का साथ नहीं दे पा रहे थे, उन्हें आखिरकार 'निदान-03' विशेष शिविर के रूप में एक मजबूत सहारा मिल गया है। जब कैलिपर पहनकर लावण्या ने पहला कदम आगे बढ़ाया, तो वह पल केवल एक बच्ची के चलने भर का नहीं था, बल्कि एक परिवार के सालों पुराने संघर्ष के साकार होने का भावुक क्षण था।

चिंता के बादलों के बीच जगी उम्मीद की किरण

राजिम क्षेत्र के ग्राम खर्रा की रहने वाली लावण्या साहू के पिता हेमंत कुमार साहू और माता क्षत्रिका साहू हमेशा इस बात से चिंतित रहते थे कि उनकी बेटी अन्य बच्चों की तरह सामान्य जीवन कैसे व्यतीत करेगी। खेल-कूद से महरूम लावण्या के बेहतर और सुरक्षित भविष्य को लेकर माता-पिता के मन में अनगिनत सवाल थे। उनके लिए लावण्या का अपने पैरों पर खड़ा होना महज एक शारीरिक क्षमता हासिल करना नहीं, बल्कि उसके स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता से जुड़ा सबसे बड़ा सपना था।

संयुक्त प्रयास से बदला लावण्या का कल

धमतरी में आयोजित सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन, समाज कल्याण विभाग एवं भगवान महावीर दिव्यांग सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में 'निदान-03' विशेष शिविर आयोजित किया गया।

विशेषज्ञ डॉक्टरों और तकनीशियन टीम ने लावण्या के पैरों की स्थिति की बारीकी से जांच की। उसकी आवश्यकता के अनुसार पैरों का सही नाप लेकर त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे मजबूत एवं आरामदायक कैलिपर उपलब्ध कराया गया।

'निदान-03' शिविर का मुख्य ध्येय दिव्यांगजनों की जरूरतों की पहचान कर उन्हें आधुनिक सहायक उपकरण मुहैया कराना है, ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़कर सम्मानजनक जीवन जी सकें।

नन्हे कदमों से बिखरीं खुशियां, छलक पड़े आंसू

कैलिपर लगते ही जब लावण्या ने धीरे-धीरे अपने नन्हे कदम आगे बढ़ाए, तो वहां मौजूद हर शख्स का दिल भर आया। सालों से बेटी को बेबस देखने वाले माता-पिता की आंखें खुशी से छलक उठीं।

पिता हेमंत साहू ने भावुक होकर जिला प्रशासन और समाज कल्याण विभाग का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि यह कैलिपर हमारी बेटी के लिए सिर्फ एक उपकरण नहीं, बल्कि जीवन भर का सहारा है। अब हमें पूरा विश्वास है कि लावण्या आत्मविश्वास के साथ स्कूल जाएगी, पढ़ेगी और अपने सारे काम खुद कर सकेगी।

लावण्या साहू की यह सफलता की कहानी इस बात का जीवंत प्रमाण है कि यदि सही समय पर संवेदनशील शासन-प्रशासन और समाज का सहयोग मिले, तो कोई भी शारीरिक बाधा किसी बच्चे की प्रगति का रास्ता नहीं रोक सकती। लावण्या के ये नन्हे कदम अब केवल चाल नहीं, बल्कि उम्मीद, विश्वास और एक सशक्त भविष्य की ओर बढ़ती नई इबारत हैं।

सेवा संकल्प अभियान

शिविरों के माध्यम से एवं विष्णु के सुशासन से लाखों के जीवन में आई समृद्धि

बिजली पर निर्भरता नहीं, सौर ऊर्जा से अजगरबहार की रातें हो रही हैं रोशन

दूरस्थ गांवों में रात का अंधेरा केवल रोशनी की कमी नहीं, आवागमन और रोजमर्रा की गतिविधियों में भी परेशानी का कारण बनता है। सड़क, चौक-चौराहे और सार्वजनिक स्थान पर्याप्त रोशनी के अभाव में शाम ढलने के बाद सुनसान नजर आते थे। कोरबा जिला प्रशासन द्वारा खनिज संस्थान न्यास (डीएमएफ) से स्वीकृत राशि के माध्यम से ऐसे क्षेत्रों में सौर ऊर्जा आधारित प्रकाश व्यवस्था विकसित की जा रही है। इसी क्रम में कोरबा विकासखंड के ग्राम अजगरबहार में क्रेडा विभाग द्वारा सोलर हाईमास्ट लाइट स्थापित की गई है।



सोलर हाईमास्ट शुरू होने से पहले रात के समय ग्रामीणों को गांव की सड़कों और आसपास के रास्तों पर आवागमन में कठिनाई होती थी। अंधेरे के कारण पैदल चलने वालों को रास्ता देखने में परेशानी होती थी और खेतों तथा आसपास के इलाकों में जाने वाले लोगों को अतिरिक्त सावधानी रखनी पड़ती थी। पर्याप्त प्रकाश नहीं होने से जहरीले सांप-बिच्छू जैसे जीवों का डर भी बना रहता था।

अब सोलर हाईमास्ट की रोशनी से गांव के प्रमुख स्थानों और आसपास के क्षेत्र में रात के समय पर्याप्त प्रकाश उपलब्ध हो रहा है। सौर ऊर्जा से संचालित व्यवस्था होने के कारण पारंपरिक बिजली आपूर्ति पर निर्भरता कम हुई है और बिजली बिल का अतिरिक्त भार भी नहीं रहता। बैटरी बैकअप की सुविधा से मौसम खराब होने या विद्युत आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में भी प्रकाश उपलब्ध रहने में मदद मिलती है।

ग्राम में स्थापित सोलर हाईमास्ट में 9 मीटर ऊंचा पोल, 1200 वॉट क्षमता के सोलर मॉड्यूल और एलईडी लाइटें लगाई गई हैं। इससे चौक-चौराहों, सड़क और आसपास के हिस्सों में स्पष्ट रोशनी पहुंच रही है। ग्रामीणों को शाम के बाद आवागमन, जरूरी कार्यों और आसपास की गतिविधियों में सुविधा मिल रही है। रोशनी बढ़ने से रात के समय रास्तों पर चलने वाले लोगों को आसपास की स्थिति स्पष्ट दिखाई देती है।

अजगरबहार के ग्रामीणों ने बताया कि, 'पहले शाम के बाद गांव की सड़क और आसपास का क्षेत्र काफी अंधेरा हो जाता था। जरूरी काम से रात में बाहर निकलने पर रास्ते को लेकर सावधानी रखनी पड़ती थी। अब सोलर हाईमास्ट की रोशनी से सड़क और चौक-चौराहा साफ दिखाई देता है। रात में आने-जाने में सुविधा मिली है और खेत या घर के आसपास जाते समय भी रास्ता स्पष्ट नजर आता है। सौर ऊर्जा से चलने वाली इस व्यवस्था से गांव में रोशनी की सुविधा मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति हम आभार व्यक्त करते हैं कि दूरस्थ गांवों की जरूरतों को ध्यान में रखकर ऐसी सुविधाएं पहुंचाई जा रही हैं।

जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी का संदेश



सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत हसदेव बैराज जल प्रबंध संभाग, रामपुर द्वारा मिनीमाता हसदेव बांगो बांध में स्वच्छता एवं जल संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में कार्यपालन अभियंता श्री एस.के. भारती सहित विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों और स्थानीय नागरिकों ने सहभागिता की।

इस अवसर पर बांध परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में सफाई अभियान चलाया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने श्रमदान कर क्षेत्र को स्वच्छ रखने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में सहायक अभियंता, उप अभियंता, स्थल सहायक और अन्य विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहे। कुछ स्थानीय नागरिकों ने भी अभियान में भाग लिया।

उपस्थित लोगों को जल के महत्व और उसके समुचित उपयोग की जानकारी दी गई। उन्हें पानी व्यर्थ न बहाने, जरूरत के अनुसार उपयोग करने तथा जल स्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही दैनिक जीवन में साफ-सफाई अपनाने और अपने आसपास के परिवेश को स्वच्छ रखने का संदेश दिया गया।

वक्ताओं ने कहा कि जल जीवन का आधार है। पेयजल, कृषि, उद्योग और पर्यावरण के संतुलन के लिए जल स्रोतों का संरक्षण जरूरी है। बांध और जलाशय क्षेत्र की जल आवश्यकताओं के साथ-साथ जनजीवन और पर्यावरण से भी जुड़े हैं। इनकी स्वच्छता और सुरक्षा में विभाग के साथ नागरिकों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम के माध्यम से लोगों से जल की प्रत्येक बूंद बचाने, जल स्रोतों में कचरा न डालने और स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की गई। जल संरक्षण और स्वच्छता के लिए सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करना ही सेवा संकल्प अभियान का प्रमुख उद्देश्य है।



बालको के पोषण माह अभियान से बाल पोषण के प्रति बढ़ी सामुदायिक जागरूकता



बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) ने पोषण माह 2026 का समापन कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान बच्चों में पोषण के प्रति जागरूकता बढ़ाने, स्वस्थ खानपान की आदतों को प्रोत्साहित करने और बाल विकास में समुदाय की भागीदारी मजबूत करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित की गईं। बालको की 'आरोग्य' परियोजना और 'नंद घर' पहल के तहत आयोजित इस अभियान के माध्यम से 28 नंद घरों में 1,500 से अधिक बच्चों, माताओं और उनकी देखभाल करने वालों तक पहुंच बनाई गई। यह पहल भारत सरकार के पोषण अभियान के उद्देश्यों के अनुरूप बच्चों के बेहतर पोषण को बढ़ावा देने पर केंद्रित रही।

अभियान के दौरान परिवार वालों को बच्चों के शारीरिक विकास, सीखने की क्षमता और बेहतर स्वास्थ्य में पोषण के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। माताओं और देखभाल करने वालों ने जागरूकता सत्रों, बच्चों के वजन और विकास की जांच तथा संतुलित आहार और खानपान से जुड़ी चर्चाओं में भाग लिया। स्थानीय स्तर पर आसानी से उपलब्ध खाद्य सामग्री से पौष्टिक व्यंजन बनाने का प्रदर्शन भी किया गया, ताकि परिवार इन तरीकों को अपने दैनिक जीवन में अपना सकें।

अभियान के दौरान ताजा और गर्म पका हुआ भोजन तैयार करने के प्रदर्शन तथा पोषण बाड़ी को बढ़ावा देने जैसी गतिविधियां भी आयोजित की गईं। इनमें मोटे अनाज, दाल और मौसमी सब्जियों के पोषण संबंधी लाभ की जानकारी दी गई। घर में उगाई गई स्थानीय उपज का उपयोग कर बच्चों और परिवार के पोषण को बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इसके अलावा सामुदायिक बैठक के माध्यम से अभिभावक, स्वयं सहायता समूह, पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों को पोषण संबंधी अभियान से जोड़ा गया। इन प्रयासों का उद्देश्य बच्चों के स्वास्थ्य और विकास के प्रति सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करना था। महीने भर चले इस अभियान का समापन क्लस्टर स्तर पर आयोजित पोषण माह समारोह के साथ हुआ। कार्यक्रम में पोषण विषय पर आधारित प्रतियोगिताएं और सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित की गईं। इस पहल ने मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को बेहतर बनाने और स्वस्थ व सशक्त समुदाय के निर्माण के प्रति बालको की प्रतिबद्धता को दोहराया।



घर में उपलब्ध सामाग्री से ही बच्चों को बनाया जा सकता है सुपोषित - चंद्रकांता

सतनाम नगर की श्रीमती चंद्रकांता महिलाने ने कार्यक्रम के अनुभव साझा करते हुए कहा, 'इस सत्र से हमें घर में आसानी से उपलब्ध सामग्री से बच्चों के लिए संतुलित और पौष्टिक भोजन तैयार करने की उपयोगी जानकारी मिली। हमने जाना कि बच्चों का वजन बढ़ाने, पाचन बेहतर रखने और उनके समग्र स्वास्थ्य के लिए किस तरह के भोजन जरूरी हैं। यहां दी गई जानकारी सरल और व्यावहारिक थी, जिसे हम अपने घरों में अपना सकते हैं और अपने बच्चों की बेहतर देखभाल कर सकते हैं।



हमारी प्राथमिकता बच्चों को सुपोषित बनाना

- राजेश कुमार सिंह

बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश सिंह ने कहा, 'हमारी स्वास्थ्य संबंधी परियोजनाएं सभी आयु वर्गों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की जाती हैं। इनमें बच्चों का पोषण हमारी प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है। पोषण माह जैसी पहल के माध्यम से हम समुदाय के साथ मिलकर पोषण और बचाव आधारित स्वास्थ्य देखभाल के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करते हैं। इस माह 1,500 से अधिक अभिभावकों और स्वास्थ्य से जुड़े लोगों तक पहुंचना इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम समुदाय के लोगों के विश्वास और भागीदारी के लिए आभारी हैं। बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य के लिए हम मिलकर प्रयास जारी रखेंगे।



बालको ने चलाया जन स्वास्थ्य अभियान, टीबी मुक्त चुहिया पंचायत को मिला सम्मान

बालकोनगर (दिव्य आकाश)।

आर्थिक विकास के साथ समुदाय में स्वास्थ्य को बेहतर बनाना हमारी प्रतिबद्धता- सीईओ राजेश कुमार सिंह

जन स्वास्थ्य में सामूहिक प्रयासों पर बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं पूर्णकालिक निदेशक राजेश सिंह ने कहा, भारत को टीबी मुक्त बनाने का लक्ष्य हर नागरिक के स्वास्थ्य और कल्याण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। देश की प्रगति में जन स्वास्थ्य की महत्वपूर्ण भूमिका है और इसके लिए समाज के हर वर्ग तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना जरूरी है। बालको में हमारा मानना है कि उद्योग जगत आर्थिक विकास के साथ-साथ समुदाय के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं और आपसी सहयोग के माध्यम से हम टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को पूरा करने और एक स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

वेदांता एल्यूमिनियम मेटल लिमिटेड की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) को टीबी (क्षय रोग) के प्रति जागरूकता बढ़ाने, मरीजों की देखभाल और सामुदायिक स्वास्थ्य सेवाओं में योगदान के लिए सम्मानित किया गया है। यह सम्मान प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत कोरबा कलेक्ट्रेट में आयोजित जिला स्तरीय टीबी जागरूकता एवं सम्मान समारोह में प्रदान किया गया। इस अवसर पर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई, जब कोरबा जिले की चुहिया ग्राम पंचायत में पिछले एक वर्ष के दौरान टीबी का कोई मामला सामने नहीं आया।

बालको, कोरबा जिले के 40 से अधिक गांवों में टीबी के प्रति जागरूकता बढ़ाने, समय पर जांच को प्रोत्साहित करने और उपचार के दौरान मरीजों को सहयोग देने के लिए लगातार काम कर रहा है। इस उपलब्धि के लिए चुहिया ग्राम पंचायत को महात्मा गांधी कांस्य स्मृति चिह्न और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। यह सम्मान कोरबा नगर निगम की महापौर श्रीमती संजू देवी राजपूत और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. एस.एन. केशरी ने प्रदान किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और सरकारी अधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर कोरबा के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.एन. केशरी ने स्वास्थ्य सेवाओं में बालको के निरंतर सहयोग की सराहना करते हुए कहा, 'टीबी की रोकथाम और मरीजों की देखभाल के लिए बालको जमीनी स्तर पर एक महत्वपूर्ण सहयोगी के रूप में काम कर रहा है। कंपनी द्वारा जागरूकता बढ़ाने, समय पर जांच कराने और मरीजों को उपचार के दौरान सहायता देने पर लगातार ध्यान दिया जा रहा है। पिछले एक वर्ष में चुहिया ग्राम पंचायत में टीबी का कोई मामला सामने नहीं आना इन सामूहिक प्रयासों का सकारात्मक परिणाम है। इस तरह का सहयोग टीबी उन्मूलन कार्यक्रम को मजबूत बनाने और समुदाय के स्वास्थ्य में सुधार लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।'

इससे लाभान्वित एक मरीज ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, 'मुझे एक साल से अधिक समय से स्वास्थ्य संबंधी परेशानी थी। स्थानीय स्तर पर इलाज से कुछ समय के लिए राहत मिलती थी, लेकिन मेरी स्थिति लगातार बिगड़ रही थी। टीबी की पुष्टि होने के बाद बालको से मिले पोषण संबंधी सहयोग ने मुझे दोबारा स्वस्थ होने में मदद की। मेरा वजन 49 किलोग्राम से बढ़कर 53 किलोग्राम हो गया। धीरे-धीरे लक्षण भी खत्म हो गए और अब मेरी टीबी की जांच रिपोर्ट निगेटिव है। आज मैं अपने गांव में लोगों को समय पर जांच और इलाज कराने के लिए प्रेरित करता हूं तथा टीबी के प्रति जागरूकता फैलाता हूं।'

बालको की स्वास्थ्य पहल प्रोजेक्ट आरोग्य के तहत टीबी जागरूकता और जनसंपर्क कार्यक्रमों के माध्यम से अब तक लगभग 27,000 लोगों तक पहुंच बनाई गई है। इसके अलावा, भारत सरकार की निक्षय मित्र पहल के अंतर्गत कंपनी ने लगभग 110 टीबी मरीजों को पोषण सहायता, परामर्श और उपचार के दौरान सहयोग प्रदान किया है। यह सहायता केवल पोषण तक सीमित नहीं है। मरीजों से नियमित संपर्क, परामर्श और स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय के माध्यम से यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाता है कि वे अपना उपचार जारी रख सकें और जरूरत के समय आवश्यक सहायता प्राप्त कर सकें।

सड़क पर बंधी रस्सी से युवक की श्वासनली कटी, मौत:अलग-अलग हादसों में 3 मौतें, जसगीत मंडली पर चढ़ाई बुलेट, 2 महिलाओं की गई जान

कोरबा/अंबिकापुर।

छत्तीसगढ़ में शुक्रवार रात दो अलग-अलग हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। पहला मामला कोरबा के गोपालपुर का है, जहां तेज रफ्तार बुलेट ने जसगीत गाने जा रही महिलाओं की टोली को टक्कर मार दी। हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गई।

हादसे के बाद गांव में चल रहे डांडिया और जसगीत के कार्यक्रम बंद करने पड़े। इसमें एक अन्य महिला और बुलेट सवार तीन युवक घायल हुए हैं। यह मामला दर्री थाना क्षेत्र का है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दूसरा मामला अंबिकापुर के जयस्तंभ चौक का है। यहां जगराता कार्यक्रम के लिए सड़क पर बांधी गई रस्सी में बुलेट सवार युवक का गला फंस गया। श्वासनली कटने से उसकी मौत हो गई। जबकि उसका साथी घायल हो गया।

घटना से नाराज परिजन और समुदाय के लोग थाने पहुंचे। पुलिस ने आयोजन समिति के सुरेश कन्नौजिया, संदीप अग्रवाल समेत अन्य लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

LIC है तो कहीं और क्यों जाएं...?
एलआईसी कराएं... परिवार में सुख-समृद्धि पाएं
LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA
आज ही बीमा कराएं
अपने और अपने परिवार
के भविष्य को सुरक्षित
एवं बेहतर बनाएं
नई योजनाओं की जानकारी आज ही लें।
सालिक राजवाड़े (बीमा अभिकर्ता)
कार्पोरेट ऑफिस - वेदांत बीमा सेवा केंद्र
प्रेस क्लब के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
मो.नं.-90987-52955, 99262-57886

राजकुमार अग्रवाल के मुख्य आतिथ्य में कटघोरा में मनाई गई श्री अग्रसेन जयंती

अग्रवाल समाज शिक्षा, स्वास्थ्य और सेवा के क्षेत्र में अग्रणी : डॉ. राजकुमार अग्रवाल

समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. राजकुमार अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि महाराजा श्री अग्रसेन जी ने समाज को सेवा, समानता, परिश्रम और सहयोग का जो मार्ग दिखाया है, हम सभी को उसी मार्ग पर चलना चाहिए। उनके आदर्शों को अपनाकर व्यक्ति और समाज निरंतर प्रगति कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अग्रसेन जयंती के पूर्व 14 दिनों तक आयोजित की जाने वाली विभिन्न प्रतियोगिताओं का उद्देश्य केवल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना ही नहीं, बल्कि समाज के लोगों को एक सूत्र में पिरोना भी है। इन आयोजनों के माध्यम से समाज के लोग एक साथ समय बिताते हैं, आपसी मेलजोल बढ़ाते हैं और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं तथा महाराजा के जीवन से प्रेरणा लेते हैं।



कोरबा/कटघोरा (दिव्य आकाश)।

अग्रवाल सभा कटघोरा द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी महाराजा श्री अग्रसेन जी की जयंती हर्षोल्लास एवं धूमधाम के साथ मनाई गई। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कोरबा के लब्धप्रतिष्ठित समाजसेवी एवं उद्योगपति डॉ. राजकुमार अग्रवाल उपस्थित रहे। वहीं विशिष्ट अतिथियों के रूप में बिलासपुर के प्रतिष्ठित उद्योगपति एवं समाजसेवी ललित अग्रवाल तथा बिल्हा के युवा उद्योगपति एवं समाजसेवी गौरव अग्रवाल ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रवाल सभा कटघोरा के अध्यक्ष पवन कुमार अग्रवाल 'ज्योति' ने की। इस अवसर पर अग्रवाल सभा के संरक्षक रामनाथ सिंघानिया,महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती बबिता गर्ग,नवयुवक मंडल के अध्यक्ष अमन गोयल मंच पर उपस्थित रहे

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों एवं समाज के पदाधिकारियों द्वारा महाराजा श्री अग्रसेन जी की आरती एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात अग्रवाल सभा के सदस्यों ने मंचस्थ अतिथियों का बैज लगाकर, शाल, श्रीफल एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। समारोह में समाज के वरिष्ठजनों, महिलाओं, युवाओं एवं बच्चों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही।

सचिव अभिषेक गर्ग द्वारा प्रतिवेदन के माध्यम से उपस्थित सभी अगर्जनों को आगामी कार्य योजना की जानकारी दी।

इसके पश्चात नन्हे-मुन्ने बच्चों ने अतिथियों के स्वागत में आकर्षक स्वागत नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया।

विशिष्ट अतिथि ललित अग्रवाल ने कहा कि हमारा समाज समृद्ध और हमारी परंपरा वैभवशाली है, तथा हमारा समाज राष्ट्र के विकास में अहम योगदान देता है।

विशिष्ट अतिथि एवं बिल्हा के युवा उद्योगपति गौरव अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि समाज में आज जो बड़े-बड़े विकास एवं सेवा कार्य दिखाई देते हैं, उनमें अग्रवाल समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

समाज की सुविधा के लिए बनेंगे 28 नए कमरे और विशाल हॉल

अध्यक्ष पवन कुमार अग्रवाल 'ज्योति' ने समाजजनों को भवन में किए जा रहे विकास कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अग्रसेन भवन में सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होने के बावजूद कमरों की कमी महसूस की जा रही थी। इसे ध्यान में रखते हुए भवन परिसर में 28 नए कमरों के साथ 6 हजार वर्गफुट क्षेत्रफल वाले विशाल हॉल का निर्माण कराया जा रहा है। जिसमें से प्रथम तल का निर्माण लगभग पूर्ण कर लिया गया है व दूसरे तल का निर्माण पूर्णता की ओर है। कार्य पूर्ण होने के बाद समाज के साथ-साथ नगरवासियों को भी इसका लाभ मिलेगा। इस घोषणा का उपस्थित जनसमुदाय ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया।

प्रतियोगिताओं के विजेताओं को किया गया सम्मानित

अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में अग्रवाल सभा के नेतृत्व में अग्रवाल नवयुवक मंडल एवं महिला मंडल द्वारा विभिन्न खेलकूद एवं अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। समारोह के दौरान इन प्रतियोगिताओं के विजेता प्रतिभागियों को मंचस्थ अतिथियों के हाथों पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर अग्रवाल सभा के पदाधिकारियों ने मंचस्थ अतिथियों को स्मृतिचिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

समारोह में अतिथियों के साथ पधारे मुख्य अतिथि की धर्मपत्नी श्रीमती लायन प्रेमलता अग्रवाल सहित अग्रवाल सभा के उपाध्यक्ष सुरेश बंसल, कोषाध्यक्ष राकेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में अग्रजन उपस्थित थे।



एसईसीएल कोरबा में सतर्कता-सप्ताह के तहत बनी 16 फीट रंगोली:जीएमअभिजीत भट्टाचार्य ने महिला सदस्यों की रचनात्मकता और टीमवर्क की सराहना की

कोरबा (दिव्य आकाश)।

एसईसीएल कोरबा एरिया में Vigilance Awareness Week 2026 के तहत सतर्कता जागरूकता से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस वर्ष की थीम Probity for Prosperity यानी समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा रखी गई है।

इसी के तहत Preventive Vigilance Campaign के अंतर्गत Women in Public Sector (WIPS), SECL कोरबा एरिया ने 16×16 फीट की विशाल रंगोली तैयार कर ईमानदारी, पारदर्शिता और सतर्कता का संदेश दिया।

16×16 फीट की रंगोली बनी आकर्षण का केंद्र

यह विशाल रंगोली वरुणा मदान, सीनियर मैनेजर (HR) के नेतृत्व में बनाई गई। इसमें WIPS की सभी महिला सदस्यों ने सामूहिक रूप से योगदान दिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

रंगोली में आकर्षक रंगों के जरिए सतर्कता, ईमानदारी, पारदर्शिता और समृद्धि के संदेश को कलात्मक रूप से प्रस्तुत किया गया। सुबह से ही महिला सदस्य इसे बनाने में जुटी रहीं। तैयार होने के बाद यह कार्यालय परिसर में आकर्षण का केंद्र बन गई।

GM ने की महिला सदस्यों के प्रयासों की सराहना

रंगोली देखने के लिए SECL के बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी पहुंचे। इस दौरान कोरबा एरिया के महाप्रबंधक अभिजीत भट्टाचार्य ने भी रंगोली का अवलोकन किया। उन्होंने WIPS की महिला सदस्यों की रचनात्मकता, सामूहिक सहभागिता और टीमवर्क की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन सतर्कता और नैतिकता से जुड़े संदेश को अधिक प्रभावी तरीके से लोगों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सबसे पहले
लाइफ इंश्योरेंस

जीवन के साथ भी
जीवन के बाद भी...

एलआईसी का
जीवन उत्सव

उत्सव
मनाने का
गारंटीड तरीका

Plan No.: 871 UIN: 512N363V01



आजीवन गारंटीड रिटर्न
के साथ

ऑनलाइन भी उपलब्ध

पूर्ण आयु जीवन बीमा एवं लाभ भुगतान के विकल्प

- सीमित प्रीमियम भुगतान अवधि 5 से 16 वर्ष
- प्रीमियम भुगतान अवधि के दौरान गारंटीकृत वृद्धि
- नियमित आय लाभ / फ्लेक्सी आय लाभ
- न्यूनतम मूल बीमा राशि 5 लाख

एक नॉन-लिंक्ड, नॉन-पार्टिसिपेटिंग, व्यक्तिगत, बचत, पूर्ण आयु जीवन बीमा योजना

एलआईसी है तो कहीं
और क्यों जाना...



सभी नई पॉलिसियों की अधिक जानकारी के लिए आज ही संपर्क करें-

सालिक राम राजवाड़े
(बीमा अभिकर्ता)
वेदांत बीमा सेवा केंद्र
कार्यालय : प्रेस क्लब तिलक भवन के सामने, रिकाण्डो रोड टी.पी. नगर कोरबा
मो.नं.-90987-52955

LIC
भारतीय जीवन बीमा निगम
LIFE INSURANCE CORPORATION OF INDIA

हर पल आपके साथ

महासप्तमी पर माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा में श्रद्धा का सैलाब

कोरबा (दिव्य आकाश)।

ऊर्जाधनी कोरबा की आराध्य देवी माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा कोरबा में शनिवार महासप्तमी पर माँ कालरात्रि देवी स्वरूपा माँ श्री सर्वमंगला देवी का दर्शन करने एवं पूजा अर्चना करने अलसुबह से ही लोगों का तांता लगा रहा। मंदिर परिसर से लेकर सड़क तक लोगों की लम्बी लाईन लगी रही और सभी भक्तगण शांतिपूर्वक अनुशासन से माँ का दर्शन करने अपनी पारी का इंतजार करते रहे। परिसर में प्रबंधन द्वारा शेड लगवाया गया है, जिसके कारण भक्तगणों को गर्मी का एहसास नहीं हुआ और लोग प्रसन्नचित और उल्लास के साथ लाईन में खड़े रहे। देर शाम समाचार लिखे जाने तक श्रद्धा का सैलाब माँ श्री सर्वमंगला देवी की पूजा करने उमड़ पड़ा था। जितने भक्त लाईन में खड़े थे, उससे अधिक परिसर में देखे गए और भोग प्रसाद ग्रहण कर तृप्त हुए। माँ सर्वमंगला देवी मंदिर परिसर दुरपा कोरबा का पूरा प्रांगण स्वर्ग का एहसास दिलाता है। माँ की पूजा करने से हर मनोकामना पूर्ण होती है।



मंदिर का रात में अद्भूत नजारा





महाआरती से सत्व का प्रकाशपूंज



रोज सुबह एवं संध्या 07.00 बजे माँ की महाआरती की जाती है। माँ की आरती करने से मन में तामसिक प्रवृत्ति का नाश होता है और माँ के प्रति श्रद्धा का भाव जागृत होता है। आरती से बच्चों में संस्कार पनपता है और बुद्धि में श्रेष्ठता आती है। महाआरती से परिसर सहित चारों तरफ सत्व का प्रकाशपूंज फैलता है और वातावरण में विशुद्धता आती है।

12000 ज्योति कलशों से जगमग माँ श्री सर्वमंगला देवी का दरबार



कोरबा की आराध्य देवी माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा कोरबा के दरबार में शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन ज्योति कलशों को प्रज्ज्वलित किया गया। विद्वान आचार्यों एवं पंडितों के सानिध्य में मंदिर के प्रबंधक एवं राजपुरोहित नमन पाण्डेय (नन्हा महराज) सपत्नीक शुभ मुहूर्त में ज्योति कलशों को प्रज्ज्वलित किया। लगभग 12000 मनोकामना ज्योति कलशों की दिव्य रोशनी से परिसर जगमग हो उठा।

माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा कोरबा के प्रबंधक एवं राजपुरोहित नमन पाण्डेय ने बताया कि रविवार 11 अक्टूबर क्वांर शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत् 2083 के शुभ मुहूर्त में घट स्थापना की गई और उसके बाद शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन माँ शैलपुत्री देवी की पूजा अर्चना की गई। नमन पाण्डेय सहित उपस्थित पंडितों एवं आचार्यों ने माँ की पूजा अर्चना कर भक्तों, कोरबा, छत्तीसगढ़ सहित सार्वभौम के लिए सुख, समृद्धि एवं शांति के लिए माँ से आशीर्वाद मांगा।

12000 मनोकामना ज्योति कलश प्रज्ज्वलित

नमन पाण्डेय ने बताया कि इस शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन भक्तों के 12000 ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए गए। वेदी पूजन किया गया और माँ सर्वमंगला का पूजन कर विश्व कल्याण के लिए माँ से आशीर्वाद मांगा गया।

श्री पाण्डेय ने बताया कि करीब 10900 तेल मनोकामना ज्योति कलश एवं लगभग 1100 घी ज्योति कलश प्रज्ज्वलित किए गए।

माता के जयकारों से परिसर भक्तिमय

ज्योति कलशों की लालिमा और माता के जयकारों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया है। हसदेव नदी के पावन तट पर विराजमान आदिशक्ति जगत जननी माँ श्री सर्वमंगला देवी का दर्शन करने दूर दराज से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

अदभूत सजावट से मंदिर का दिव्य दृश्य

शुभं करोति कल्याणं आरोग्यम गुणः सम्पदाम्।
दुष्ट बुद्धि विनाशाय दीप ज्योति नमोस्तुते।।



पुलिस प्रशासन की शांतिपूर्ण सख्त सुरक्षा व्यवस्था



माँ सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा कोरबा में नवरात्रि का पर्व आते ही श्रद्धालुओं की संख्या में काफी बढ़ोत्तरी होती है, इसके मद्देनजर पुलिस प्रशासन द्वारा शांतिपूर्ण ढंग से सख्त सुरक्षा व्यवस्था रहती है। कुसमुंडा थाना और सर्वमंगला पुलिस चौकी के जवान परिसर में तैनात रहते हैं। सर्वमंगला चौकी प्रभारी विभव तिवारी टीम के साथ सुबह से परिसर में मार्च करते देखे गए।

माँ को छप्पन भोग अर्पण



सप्तमी को माँ श्री सर्वमंगला देवी को छप्पन भोग अर्पण किया गया। सप्तमी माँ कालरात्रि देवी का दिन होता है और इस दिन माँ श्री सर्वमंगला देवी का पूजन माँ कालरात्रि के रूप में किया गया। माँ कालरात्रि को गुड़, फल अतिप्रिय हैं, इसलिए पंडितों द्वारा माँ श्री सर्वमंगला देवी को छप्पन भोग में गुड़ और फल शामिल कर अर्पण किया गया।

राजपुरोहित नमन पाण्डेय ने बताया कि माँ कालरात्रि देवी की पूजा एवं उपासना से विजय की प्राप्ति होती है और भक्तों ने किसी भी काम में सफलता और विजय प्राप्ति के लिए माँ श्री सर्वमंगला देवी की पूजा की।



मनोकामना ज्योति कलशों के प्रकाशपूंज से सात्विक गुणों का वास

माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर दुरपा कोरबा के प्रबंधक एवं राजपुरोहित नमन पाण्डेय ने बताया कि घर, मंदिर एवं अन्य देव स्थानों में दीप प्रज्ज्वलित करने से मन में सात्विक गुणों का संचार होता है। बुद्धि की दुर्बलता नष्ट होती है और सद्बुद्धि का विस्तार होता है। मनोकामना ज्योति कलशों के प्रज्ज्वलन से क्षेत्र में सत्व का संचार होता है, पर्यावरण शुद्ध होता है और सभी देवी-देवताओं का आह्वान से पूजा स्थल पहुंचकर हमें आशीर्वाद प्रदान करते हैं। मैं समस्त श्रद्धालुओं, धर्म प्रेमियों और भक्तों की ओर से सभी दीप ज्योतियों का नमन करता हूं और प्रार्थना करता हूं कि सभी के मन में देवगुणों का वास हो और सभी के मस्तिष्क में सद्बुद्धि, सुविचार और मानवीय गुणों अद्भूत संचार हो। घर की कलह दूर हो और सबके घरों में माँ लक्ष्मी और समृद्धि का वास हो।

पहले माँ को भोग फिर रोजाना कन्याओं को भोजन और उसके बाद भोग भंडारा होता है प्रारंभ





एनकेएच सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने पूरे किए सेवा के 12 वर्ष

डॉ. एस. चंदानी के संकल्प से शुरू हुआ सफर

आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और विशेषज्ञ सेवाओं के साथ मरीजों की सेवा में जुटा एनकेएच

प्रबंधन ने कोरबावासियों के प्रति जताया आभार





कोरबा (दिव्य आकाश)।

बेहतर और आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्थापित न्यू कोरबा हॉस्पिटल (एनकेएच) सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल ने 13 अक्टूबर को अपनी सेवा यात्रा के 12 वर्ष पूरे कर लिए। वर्ष 2014 में ग्रुप डायरेक्टर डॉ. एस. चंदानी के नेतृत्व में शुरू हुआ यह सफर आज आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं, विशेषज्ञ चिकित्सकों और अनुभवी स्वास्थ्यकर्मियों के माध्यम से मरीजों की सेवा तक पहुंच चुका है। 12वीं वर्षगांठ के अवसर पर अस्पताल में उत्साह के साथ समारोह आयोजित किया गया।

समारोह की शुरुआत डॉ. एस. चंदानी, डॉ. वंदना चंदानी और डॉ. एस. पालीवाल ने केक काटकर की। इस अवसर पर अस्पताल के चिकित्सकों, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों, विभागाध्यक्षों और कर्मचारियों ने एक-दूसरे को बधाई दी तथा अस्पताल की सेवा यात्रा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। बीते 12 वर्षों में एनकेएच ने स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार करते हुए गंभीर मरीजों के उपचार के लिए कई आधुनिक सुविधाएं विकसित की हैं। अस्पताल में 24 घंटे ट्रामा एवं आपातकालीन सेवाएं, अत्याधुनिक आईसीयू, क्रिटिकल केयर यूनिट और हृदय रोगियों के उपचार के लिए कैथ लैब सहित विभिन्न चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं। अस्पताल प्रबंधन द्वारा स्वास्थ्य जागरूकता अभियान, निःशुल्क चिकित्सा शिविर, स्वास्थ्य जांच शिविर और रक्तदान जैसे सामाजिक कार्यक्रमों के माध्यम से भी जनसेवा की जा रही है।

जनता के सहयोग से मिला नया मुकाम-डॉ. चंदानी

इस अवसर पर ग्रुप डायरेक्टर डॉ. एस. चंदानी ने कोरवावासियों के विश्वास, सहयोग और स्नेह के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग से ही एनकेएच ने 12 वर्षों का सफर पूरा किया है। अस्पताल परिवार भविष्य में भी आधुनिक तकनीक, विशेषज्ञ चिकित्सकीय सेवाओं और जनसेवा की भावना के साथ बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

समारोह में उपस्थित चिकित्सक एवं प्रमुख सदस्य डॉ. वंदना चंदानी, डॉ. एस. पालीवाल, डॉ. आर. पालीवाल, डॉ. अविनाश तिवारी, डॉ. मनीष गोयल, डॉ. अविनाश सिंह, डॉ. अजीत ठोकल, डॉ. शिवानी प्राग्दा, डॉ. नेहा सिंह, डॉ. एस. एस. पांडेय, डॉ. रोहित मजूमदार, डॉ. सुदीप्त साहा, डॉ. रिया दुबे के अलावा आरएमओ, वरिष्ठ प्रशासनिक कर्मचारी, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष तथा अन्य चिकित्सक एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

वर्षगांठ पर 120 से अधिक मरीजों की निःशुल्क ओपीडी जांच

एनकेएच सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल की 12वीं वर्षगांठ के अवसर पर सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक निःशुल्क ओपीडी सेवा का आयोजन किया गया। इस दौरान 120 से अधिक मरीजों की जांच कर उन्हें चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। अस्पताल प्रबंधन की इस पहल का उद्देश्य आम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और जनसेवा के संकल्प को आगे बढ़ाना रहा।

स्वामी , प्रकाशक ,मुद्रक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े द्वारा मे. डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, नर्मदा कोल्ड्रिंक के पास बिलासपुर से मुद्रित कर प्रेस क्लब भवन के सामने रिकाण्डो रोड कोरबा से प्रकाशित संपादक युधिष्ठिर कुमार राजवाड़े मो.नं.-98266-47851 आरएनआई नंबर CHHHIN/2010/47078 Email :-divyaakash.news@gmail.com